दि ग्राम टुडे

पांच दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

दि ग्राम टुडे , कानपुर ।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत शिक्षित बेरोजगारों के लिए पांच दिवसीय रोजगारपरक बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण आरंभ हुआ। जिसमें स्नातक स्तर से लेकर आठवीं पास तक के कुल 25 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण के कोऑर्डिनेटर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर

शशिकांत में बताया कि सीमांत एवं लघु किसानों के अलावा शिक्षित बेरोजगारों के लिए बकरी पालन कम लागत में अधिक आमदनी का मुख्य धंधा है। उन्होंने बताया कि बकरी एक ए टी एम की तरह है जब चाहे तब इसको अच्छे दामों में कभी भी बेच सकते हैं तथा इससे कभी भी किसी समय दूध निकाल कर उपयोग कर सकते हैं ' केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि कम जगह हम साधारण खानपान में इसको पास सकते हैं। डॉ अरुण सिंह ने बताया कि बकरी का दूध नवजात बच्चों के लिए दवा का कार्य करता है जो आसानी से पच जाता है प्रशिक्षण में आए हुई महिलाओ का कहना है कि इस प्रशिक्षण से हम लोग बकरी पालन का व्यवसाय करके अपने घर को अच्छे से चला सकते हैं।

उद्योग नगरी टाइम्स
हिन्दी दैनिक

पांच दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण का शुभारंभ

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत शिक्षित बेरोजगारों के लिए पांच दिवसीय रोजगारपरक बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण आरंभ हुआ। जिसमें स्नातक स्तर से लेकर आठवीं पास तक के कुल 25 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण के कोऑर्डिनेटर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत में बताया कि सीमांत एवं लघु किसानों के अलावा शिक्षित बेरोजगारों के लिए बकरी पालन कम लागत में अधिक आमदनी का मुख्य धंधा है। उन्होंने बताया कि बकरी एक ए टी एम की तरह है जब चाहे तब इसको अच्छे दामों में कभी भी बेच सकते हैं तथा इससे कभी भी किसी समय दूध निकाल कर उपयोग कर सकते हैं द्य केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि कम जगह हम साधारण खानपान में इसको पास सकते हैं। डॉ अरुण सिंह ने बताया कि बकरी का दूध नवजात बच्चों के लिए दवा का कार्य करता है जो आसानी से पच जाता है प्रशिक्षण में आए हुई महिलाओ का कहना है कि इस प्रशिक्षण से हम लोग बकरी पालन का व्यवसाय करके अपने घर को अच्छे से चला सकते हैं।

वर्ष-18 अंक-113 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, मंगलवार 18 फरवरी 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

RNI No.- UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

पांच दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण का शुभारंभ

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत शिक्षित बेरोजगारों के लिए पांच दिवसीय रोजगारपरक बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण आरंभ हुआ। जिसमें स्नातक स्तर से लेकर आठवीं पास तक के कुल 25 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण के कोऑर्डिनेटर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत में बताया कि सीमांत एवं लघु किसानों के अलावा शिक्षित बेरोजगारों के लिए बकरी पालन कम लागत में अधिक आमदनी का मुख्य धंधा है। उन्होंने बताया कि बकरी एक ए टी एम की तरह है जब चाहे तब इसको अच्छे दामों में कभी भी बेच सकते हैं तथा इससे कभी भी किसी समय दूध निकाल कर उपयोग कर सकते हैं द्य केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि कम जगह हम साधारण खानपान में इसको पास सकते हैं। डॉ अरुण सिंह ने बताया कि बकरी का दूध नवजात बच्चों के लिए दवा का कार्य करता है जो आसानी से पच जाता है प्रशिक्षण में आए हुई महिलाओ का कहना है कि इस प्रशिक्षण से हम लोग बकरी पालन का व्यवसाय करके अपने घर को अच्छे से चला सकते हैं।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • मंगलवार • 18 फरवरी • 2025

'कम लागत में
धिक आमदनी का
ा है बकरी पालन'

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि केंद्र दिलीप नगर में सोमवार को चित जाति उपयोजना के अंतर्गत वेरोजगारों के लिए पांच दिवसीय रपरक वकरी पालन प्रशिक्षण शिविर ायोजन किया गया। शिविर में स्नातक लेकर आठवीं पास तक के कुल 25 गियों ने हिस्सा लिया।

शिक्षण के कोऑर्डिनेटर पशुपालन क डॉ. शशिकांत ने वताया कि सीमांत घु किसानों के अलावा शिक्षित ारों के लिए वकरी पालन कम लागत धक आमदनी का मुख्य धंधा है। उन्होंने कि वकरी एक एटीएम की तरह है जव व इसको अच्छे दामों में कभी भी वेच हैं और इससे कभी भी किसी समय काल कर उपयोग कर सकते हैं। इस र पर वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कि कम जगह में हम साधारण न में इसको पाल सकते हैं। डॉ. अरुण वताया कि वकरी का दूध नवजात के लिए दवा का कार्य करता है, जो ी से पच जाता है। इस दौरान प्रशिक्षण ए हुई महिलाओं ने वताया कि इस ण से हम लोग वकरी पालन का ाय कर अपने घर को अच्छे से चला हैं।

बैठक
स्कीम

एमनेस्टी स्कीमकी जानकारी देते स्टे

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

वाणिज्य कर कार्यालय, लखनपु
टैक्स वार एसोसिएशन व
एसोसिएशन के लोगों के साथ अप
ग्रेड वन, राज्य कर की वैठक में
एमनेस्टी स्कीम पर विस्तार से च
अधिकारियों ने कर सलहाकारों क
प्रावधानों में विषय में विस्तृत ढंग
दी। ऑनलाइन डेमो भी दिया गया

अपर आयुक्त ग्रेड वन
विद्यार्थी की अध्यक्षता में हुई
उपायुक्त मनोज विश्वकर्मा ने
स्कीम के साथ ही अन्य योजनाओं
में जानकारी दी। अवगत कराया
के तहत वित्तीय वर्ष 2017-18,

सत्य का असर समाचार पत्र

Tuesday 18th February 2025 jksingh.hardoi@gmail.com website: ?????? ???? 9956834016

पांच दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण का शुभारंभ

L

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत शिक्षित बेरोजगारों के लिए पांच दिवसीय रोजगारपरक बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण आरंभ हुआ। जिसमें स्नातक स्तर से लेकर आठवीं पास तक के कुल 25 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण के कोऑर्डिनेटर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत में बताया कि सीमांत एवं लघु किसानों के अलावा शिक्षित बेरोजगारों के लिए बकरी पालन कम लागत में अधिक आमदनी का मुख्य धंधा है। उन्होंने बताया कि बकरी एक ए टी एम की तरह है जब चाहे तब इसको अच्छे दामों में कभी भी बेच सकते हैं तथा इससे कभी भी किसी समय दूध निकाल कर उपयोग कर सकते हैं। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि कम जगह हम साधारण खानपान में इसको पास सकते हैं। डॉ अरुण सिंह ने बताया कि बकरी का दूध नवजात बच्चों के लिए दवा का कार्य करता है जो आसानी से पच जाता है प्रशिक्षण में आए हुई महिलाओ का कहना है कि इस प्रशिक्षण से हम लोग बकरी पालन का व्यवसाय करके अपने घर को अच्छे से चला सकते हैं।